G20 भारत 2023 INDIA

क्या आप जानते हैं?

G20 समूह, 19 देशों और यूरोपियन यूनियन से मिलकर बना है। इसमें सम्मिलित 19 देश : अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्किये, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं।

G20 सदस्य देश, दुनिया की दो-तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं। G20 ऐसे देशों का समूह है जिनका आर्थिक सामर्थ्य विश्व की 85 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का प्रतिनिधित्व करता है। G20 के सदस्य देश विश्व के 75 प्रतिशत व्यापार का भी प्रतिनिधित्व करते हैं।

G20 एजेंडा दो चैनलों (ट्रैक) द्वारा संचालित होता है, जिसमें फाइनेंस एवं शेरपा ट्रैक शामिल है।

G20 का कोई स्थायी अध्यक्ष नहीं है, बल्कि इसकी अध्यक्षता की जिम्मेदारी हर साल अलग-अलग सदस्य देशों को मिलती रहती है।

भारत पहली बार 1 दिसंबर 2022 - 30 नवंबर 2023 के लिए G20 की अध्यक्षता संभालेगा।

G20 की अध्यक्षता के दौरान देश भर में 200 से अधिक बैठकें होंगी।

G20 शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में होगा और इसमें दुनिया भर के नेता शामिल होंगे।

भारत G20 की बैठकों एवं शिखर सम्मेलन के लिए बांग्लादेश, मिस्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और संयुक्त अरब अमीरात को अतिथि देशों के तौर पर आमंत्रित करेगा।

भारत की G20 अध्यक्षता के लोगो (Logo) में राष्ट्रीय फूल कमल के ऊपर पृथ्वी को दर्शाया गया है, जो प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने का प्रतीक है।

भारत की G20 अध्यक्षता का विषय (थीम) 'वसुधैव कुटुंबकम्' यानी 'एक पृथ्वी – एक कुटुम्ब – एक भविष्य' है, जो कि महा उपनिषद से लिया गया है।

G20 की अध्यक्षता भारत के ‘अमृतकाल’ की शुरुआत का प्रतीक है। यह ‘अमृतकाल’ देश की आजादी के 75वीं वर्षगांठ से शुरू होकर, आजादी के सौवें वर्ष तक की 25 साल की अवधि है।